

पी. जे.-102

फलित ज्योतिष के आधारभूत सिद्धान्त

फलित ज्योतिष में डिप्लोमा (डी0 पी0 जे0-12/16/17)

प्रथम सेमेस्टर, सत्र - 2019

समय 3 घंटा

पूर्णांक-80

नोट: यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंको का है जो तीन (3) खण्डों में विभाजित है। परीक्षार्थी को इन खण्डों में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड - 'क'

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (19) अंक निर्धारित हैं। परीक्षार्थी को इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं। $2 \times 19 = 38$

1. ज्योतिष शास्त्र के प्रवर्तकों का वर्णन कीजिये।
2. भाव- भावेश का तात्पर्य क्या है? उनके फलाफल का विवेचन कीजिये।
3. सप्तमेश का द्वादश भावों में फल लिखिये।

4. मत्स्य, खड्ग एवं लक्ष्मी योग को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिये।

खण्ड - 'ख'

लघु उत्तरीय प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय वाले प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। परीक्षार्थी को इनमें से केवल चार प्रश्नों के उत्तर देने हैं। $4 \times 8 = 32$

1. ज्योतिष शास्त्र का संक्षिप्त परिचय दीजिये।
2. वृष एवं मिथुन राशि के गुण-धर्म का उल्लेख कीजिये।
3. ग्रहों का परिचय देते हुए उसके महत्व पर प्रकाश डालिये।
4. पंचांग से आप क्या समझते हैं?
5. फलित ज्योतिष के आधारभूत सिद्धान्त क्या हैं?
6. योग किसे कहते हैं? ज्योतिष शास्त्रोक्त योग का वर्णन कीजिये।
7. अरिष्ट भंग योग से क्या तात्पर्य है? स्पष्ट कीजिये।
8. तिथि को परिभाषित करते हुए संक्षिप्त उल्लेख कीजिये।

खण्ड - 'ग'

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

नोट : खण्ड 'ग' में दस 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

10 x 1 = 10

- निम्नलिखित में 'वेदांग' नहीं है -
(क) शिक्षा (ख) ज्योतिष
(ग) निरूक्त (घ) मीमांसा
- सूर्य एवं चन्द्रमा के कितने अन्तरांश पर तिथि की उत्पत्ति होती है
(क) 10° (ख) 12°
(ग) 14° (घ) 30°
- निम्नलिखित में मीन राशि किस वर्ण का है -
(क) ब्राह्मण (ख) क्षत्रिय
(ग) वैश्य (घ) शूद्र
- वृहस्पति किस राशि में उच्च का होता है-
(क) मकर (ख) कुम्भ
(ग) कर्क (घ) मेष

5. निम्न में सिंह राशि की दिशा है -
(क) पूर्व (ख) उत्तर
(ग) दक्षिण (घ) पश्चिम
6. लीलावती किसकी रचना है -
(क) मकरन्दाचार्य (ख) भास्कराचार्य
(ग) कमलाकर (घ) गणेशाचार्य
7. 'हंस योग' में कौन सा ग्रह कारक है
(क) शुक्र (ख) मंगल
(ग) वृहस्पति (घ) शनि
8. शुक्र की दशा वर्ष संख्या होती है -
(क) 18 (ख) 19
(ग) 20 (घ) 17
9. जन्मांग चक्र में सूर्य के अतिरिक्त चन्द्रमा से द्वितीय भाव में कोई
ग्रह हो तो कौन सा योग बनता है -
(क) सुनफा (ख) अनफा
(ग) दुरधरा (घ) केमद्रुम
10. मंगल ग्रह स्वस्थान से किन-किन भावों को देखता है -
(क) 3,7,10 (ख) 7,5,9
(ग) 4,8,7 (घ) 2,5,7